

---

# Shri Subrahmanya Stotram

---

## श्रीसुब्रह्मण्यस्तोत्रम्

---

### Document Information



---

Text title : subrahmaNyastotram 3

File name : subrahmaNyastotram3.itx

Category : subrahmanya

Location : doc\_subrahmanya

Proofread by : Sreenivasa Rao Bhagavatula

Description-comments : From stotrArNavaH 07-02

Latest update : February 11, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 14, 2021

*sanskritdocuments.org*

---



श्रीसुब्रह्मण्यस्तोत्रम्



षड्वक्त्रं शिखिवाहनं त्रिनयनं चित्राम्बरालङ्कृतं  
शक्तिं वज्रकृपाणशूलमभयं खेटं धनुश्चक्रकम् ।  
पाशं कुक्कुटमङ्कुशं च वरदं दोर्भिर्दधानं सदा-  
ध्यायेदीप्सितसिद्धिदं शिवसुतं स्कन्दं सुरेन्द्रं सदा ॥ १ ॥

सिन्दूरारुणकान्तिमिन्दुवदनं केयूरहारादिभिः  
दिव्यैराभरणैर्विभूषिततर्नु स्वर्गस्थसौख्यप्रदम् ।  
अम्भोजाभयशक्तिकुक्कुटधरं रक्ताङ्गरागोज्ज्वलं  
सुब्रह्मण्यमुपास्महे प्रणमतामिष्टार्थसिद्धिप्रदम् ॥ २ ॥

षडाननं चन्दनलेपिताङ्गं  
महाद्युतिं दिव्यमयूरवाहनम् ।  
महेशसूनुं सुरलोकनाथं  
ब्रह्मण्यदेवं शरणं प्रपद्ये ॥ ३ ॥

रुद्रप्रियं दिव्यमनोहराङ्गं  
कुष्ठादिरोगान् स्मरणाद्धरन्तम् ।  
उच्छिष्टलेपात्तनुशुद्धिदं त्वां  
ब्रह्मण्यदेवं शरणं प्रपद्ये ॥ ४ ॥

इष्टार्थदं भक्तजनस्य काम  
मृष्टान्नदातारमुमेशसूनुम् ।  
अघौघनाशं च (विध्वंसि) निजोत्तमाङ्गं (ङ्घ्रिं)  
ब्रह्मण्यदेवं शरणं प्रपद्ये ॥ ५ ॥

आर्यात्मजं देवगणाधिसेव्यं  
स्तोत्रेण देहेन कुलं करोति ।(?)  
त्वं देवदेवं त्वमुपाश्रयन्तं (?)  
ब्रह्मण्यदेवं शरणं प्रपद्ये ॥ ६ ॥

(त्वां देवदेवं समुपाश्रितानां  
स्तोत्रेण चैतेन कुलं करोषि ।  
आर्यात्मजं देवगणाधिसेव्यं  
ब्रह्मण्यदेवं शरणं प्रपद्ये ॥ ६ ॥)  
द्विषद्भुजं षण्मुखमम्बिकासुतं  
कुमारमादित्यसमानतेजसम् ।  
वन्दे मयूरासनमग्निसन्निभं  
सेनापतिं स्कन्दमभीष्टसिद्धये ॥ ७ ॥  
॥ इति श्रीसुब्रह्मण्यस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Sreenivasa Rao Bhagavatula

---

—  
*Shri Subrahmanya Stotram*

pdf was typeset on February 14, 2021

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

